की ओर दिलाया गया है कि भारत में प्रतिदिन 10 हजार मीटरी टन तेल के बराबर प्राकृतिक गैस जलायी जा रही है और वह भी एक ऐसे समय में जबकि खाड़ी संकट के कारण तेल की कीमतों में तेजी से वृद्धि हुई है ;

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) प्राकृतिक गैस के बेहतर उपयोग और पेट्रोलियम उत्पादों की कमी को देखते हुए पेट्रोल के विकल्प के रूप में इसके उपयोग के लिए सरकार की नयी योजनाएं क्या हैं ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) जी, हां ।

(ख) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग ने गैस के जलाए जाने को रोकने के लिए और उसका पूरा इस्तेमाल करने के लिए एक परियोजना तैयार की है ।

(ग) तरल हाइड्रोकार्बनों पर निर्भरता को कम करने के लिए उर्वरक, विद्युत स्पांज लोहे और अन्य क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस के उपयोग के लिए सरकार का समयबद्ध कार्यक्रम है ।

बहुराष्ट्रीय औषध कम्पनियों से अनभिप्रेत लाभ की वसूली

375. **श्रीमती सत्य बहिन** : क्या **पेट्रोलियम और रसायन** मंत्री 27-8-1990 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न 242 के दिए गए उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बहुराष्ट्रीय औषध निर्माता कम्पनियों द्वारा जनता से वसूले गये अनभिप्रेत लाभों की वसूली कब तक किये जाने की संभावना है और इसकी वसूली के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं ; और

(ख) इस दिशा में अब तक की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) और (ख) औषध कंपनियों से अब तक लगभग 16 करोड़ रुपए की राशि वसूल की जा चुकी है । देनदारियों के निर्धारण और बकाया राशियों की वसूली के कार्य उचित कानूनी प्रक्रिया के अनुसार बहुराष्ट्रीय कंपनियों सहित सभी कंपनियों के विरुद्ध चल रहा है । वसूली के मामले पर कंपनियों के साथ निरन्तर कार्रवाई की जा रही है ।

औषध मामलों संबंधी समितियों के निष्कर्षों में अन्तर

376. **श्रीमती सत्य बहिन** : क्या पेट्रोलियम और रसायन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि जयसुख लाल हाथी समिति के प्रतिवेदन के आधार पर औषध निर्माता कम्पनियों से वसूल किये जाने वाले मूल्यों के मूल्यांकन हेतु गठित दो विशेष समितियों के निष्कर्षों में भारी अन्तर है ;

(ख) क्या मूल्यांकन के लिए दोनों समितियों को दो अलग-अलग दस्तावेज दिये गये थे और यदि हां, तो इन समितियों को किन के द्वारा ये दस्तावेज दिये गये थे ;

(ग) इन दो समितियों द्वारा मूल्यांकित मूल्यों में अन्तर के कारण क्या हैं; और

(घ) उस समिति का नाम क्या है जिसके निष्कर्षों को वसूली आदि के प्रयोजन हेतु प्रमाणित माना जायेगा ?

पेट्रोलियम और रसायन तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री सत्य प्रकाश मालवीय) : (क) से (घ) इस तरह की कोई समितियां स्थापित नहीं की गई थीं । किन्तु सर्वोच्च न्यायालय के मामले में अंतर्ग्रस्त कंपनियों के खिलाफ देनदारियों का निर्धारण करने के लिए विशेष दल गठित किया गया था।